

DEPARTMENT OF HINDI

SEMESTER – V

BA (Hons) Hindi

Semester V : DSC-13

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-13 पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	3	1	0	Class 12 th pass with Hindi	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित करना ।
- चिंतन के नए आयामों की ओर आकृष्ट करना ।
- साहित्यिकता की नई समझ की जानकारी देना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में पश्चिमी काव्यशास्त्रीय चिंतन-धारा की समझ विकसित होगी ।
- नई विचारधाराओं और साहित्यिकता का ज्ञान प्राप्त करेंगे ।
- विद्यार्थी हिंदी साहित्य पर पाश्चात्य चिंतन के प्रभाव से परिचित होंगे ।

इकाई 1 :

(12 घंटे)

- अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, त्रासदी का विवेचन
- लॉजाइनस : उदात्त सिद्धांत

इकाई 2 :

(12 घंटे)

- वर्ड्सवर्थ और कॉलरिज : कविता और काव्यभाषा संबंधी मान्यताएँ, कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत
- टी. एस. इलियट : परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्व्यक्तिकता का सिद्धांत

इकाई 3 :

(9 घंटे)

- स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद और संरचनावाद का सामान्य परिचय

इकाई 4 :

(12 घंटे)

- काव्य के उपादान : बिम्ब, प्रतीक, विसंगति, विडंबना, मिथक, फैंटसी

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सिंह, बच्चन; हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. बाली, तरकनाथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. तिवारी, रामपूजन; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
4. भारद्वाज, मैथिलीप्रसाद; पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़ ।
5. मिश्र, रमेश चंद्र, पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत, अशोक प्रकाशन, दिल्ली ।
6. मिश्र, सत्यदेव; पाश्चात्य समीक्षा : सिद्धांत और वाद, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।
7. शर्मा, देवेन्द्रनाथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
8. राय, अनिल; पाश्चात्य काव्यशास्त्र : कुछ सिद्धांत कुछ वाद, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली ।

BA (Hons) Hindi
Semester V : DSC-14
आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-14 आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)	4	3	1	0	Class 12 th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- छायावादोत्तर कविताओं के माध्यम से युग बोध के संदर्भ में विद्यार्थियों को काव्य सौंदर्य, काव्यानुभूति को समझने, परखने योग्य बनाना।
- कविता विशेष में निहित विचार विशेष से विद्यार्थियों में उदात्त भाव का संचरण कराना।
- छायावादोत्तर कविता के विभिन्न रचनात्मक सदर्थों को समझने में सक्षम बनाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थीगण छायावादोत्तर हिंदी कविता के सन्दर्भ में गहन रूप से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- वैश्विक संदर्भों में स्वाधीनता आंदोलन के परिप्रेक्ष्य से परिचय प्राप्त करते हुए विद्यार्थी छायावादोत्तर कविता के विविध संदर्भों को समझ सकेंगे।

इकाई 1 :

(12 घंटे)

- नागार्जुन : सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम, दुखरन मास्टर (प्रतिनिधि कविताएँ, नागार्जुन)
- गिरिजा कुमार माथुर : 15 अगस्त, हम होंगे कामयाब एक दिन

इकाई 2 :

(12 घंटे)

- अज्ञेय : यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप (चुनी हुई कविताएँ, अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)
- रघुवीर सहाय : रामदास, दयावती का कुनबा (रघुवीर सहाय रचनावली, खंड 1, संपादक : सुरेश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

इकाई 3 :**(9 घंटे)**

- भवानी प्रसाद मिश्र : गीत फरोश ('गीत फरोश' संग्रह से), चकित है दुःख ('चकित है दुःख' संग्रह से), बुनी हुई रस्सी ('बुनी हुई रस्सी' संग्रह से)
- जगदीश गुप्त : सच हम नहीं सच तुम नहीं, वर्षा और भाषा, आस्था ('नाव के पांव' संग्रह से)

इकाई 4 :**(12 घंटे)**

- केदारनाथ सिंह : सुई और तागे के बीच में (यहाँ से देखो, केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली) पानी की प्रार्थना, अंत महज़ एक मुहावरा है (तालस्ताय और साइकिल, केदारनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
- कुँवर नारायण : एक वृक्ष की हत्या, एक अजीब सी मुश्किल ('इन दिनों' संग्रह से), कविता की जरूरत ('कोई दूसरा नहीं' संग्रह से)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सिंह, नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. शर्मा, रामविलस; नयी कविता और अस्तित्ववाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद; आधुनिक हिंदी कविता, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज ।
4. श्रीवास्तव, परमानंद; समकालीन कविता का यथार्थ, हरियाणा साहित्य अकादेमी, चंडीगढ़ ।
5. नवल, नंदकिशोर; समकालीन काव्य-यात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
6. जोशी, राजेश; समकालीनता और साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
7. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; आधुनिक कविता यात्रा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज ।
8. वर्मा, लक्ष्मीकांत; नयी कविता के प्रतिमान, भारती प्रेस प्रकाशन, प्रयागराज ।
9. साही, विजयदेव नारायण; छठवां दशक, हिंदुस्तानी एकेडेमी, प्रयागराज ।
10. शर्मा, केदार; अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन ।
11. ऋषिकल्प, रमेश; अज्ञेय की कविता : परंपरा और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
12. मिश्र, यतींद्र (संपादक); कुँवर नारायण : उपस्थिति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
13. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त; भवानीप्रसाद मिश्र का काव्य-संसार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

BA (Hons) Hindi
Semester V : DSC-15
हिंदी आलोचना

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-15 हिंदी आलोचना	4	3	1	0	Class 12 th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- सांस्कृतिक चेतना के विकास में आलोचना की भूमिका की समझ विकसित करना ।
- समग्र हिंदी आलोचना के विकास का युगीन परिप्रेक्ष्य में परिचय कराना ।
- रचना के गुण-दोष विवेचन की क्षमता विकसित करना ।
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक विकसित करना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में युगीन परिस्थितियों के विश्लेषण से सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ विकसित होगी ।
- समग्र सामाजिक जीवन के परिप्रेक्ष्य में रचना के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी ।
- विद्यार्थी अपने जीवन में किसी भी विषय के प्रति गुण-दोष का विवेचन करने योग्य बन सकेंगे ।
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक का विकास होगा ।

इकाई 1 :

(9 घंटे)

- हिंदी आलोचना के विकास के विविध चरण – मध्यकालीन, आधुनिक और समकालीन

इकाई 2 :

(12 घंटे)

- भारतेन्दु : नाटक
- रामचंद्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था
- प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य

इकाई 3 :

(12 घंटे)

- हजारी प्रसाद द्विवेदी – आधुनिक साहित्य: नई मान्यताएँ

- रामविलास शर्मा – तुलसी साहित्य के सामंत-विरोधी मूल्य
- अज्ञेय – ‘तार सप्तक’ की भूमिका

इकाई 4 :

(12 घंटे)

- नामवर सिंह – नयी कहानी: सफलता और सार्थकता
- निर्मल वर्मा – रेणु: समग्र मानवीय दृष्टि
- रामस्वरूप चतुर्वेदी – निराला (‘प्रसाद, निराला, अज्ञेय’ पुस्तक से)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. नवल, नंद किशोर; हिंदी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
4. शर्मा, रामविलास; महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
5. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; चिंतामणि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
6. शर्मा, रामविलास; परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
7. अज्ञेय (संपादक); तार सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली ।
8. मुक्तिबोध, गजानन माधव; नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबंध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
9. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।
10. द्विवेदी, आचार्य हजारीप्रसाद; हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
11. सिंह, नामवर; दूसरी परंपरा की खोज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
12. सिंह, नामवर; कहानी : नयी कहानी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
13. वर्मा, निर्मल; शब्द और स्मृति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
14. साही, विजय देव नारायण; छठयाँ दशक, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद ।
15. शर्मा, कृष्णदत्त; मुक्तिबोध की आलोचना-दृष्टि, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद ।
16. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; प्रसाद, निराला, अज्ञेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।